



# गुजरात, गांधीनगर रेलवे स्टेशन परिसर के पुनर्विकास के लिए 09 जनवरी, 2017 को "भूमि पूजन" के दौरान प्रधानमंत्री के भाषण का मूल पाठ

Posted On: 09 JAN 2017 1:54PM by PIB Delhi

प्यारे भाईयों और बहनों,

हमारे देश में रेलवे, देश के सामान्य जन से जुड़ी हुई व्यवस्था है। गरीब से गरीब परिवार को भी रेलवे एक सहारा रही है। लेकिन दुर्भाग्य से रेलवे को उसके नसीब पर छोड़ दिया गया है। और गत 30 वर्ष में खास करके जबकि दिल्ली में मिली-जुली सरकारें रहती थीं और उसमें एक प्रकार से जो साथी दल रहते थे, वे तब मंत्रिपरिषद में जुड़ते थे या सरकार को समर्थन देते थे अगर उनको रेल मंत्रालय मिले तो। यानी एक प्रकार से रेल मंत्रालय सरकारें बनाने के लिए रेवडी बंटने के लिए काम आता था। ये कड़वा सत्य है और उसका परिणाम ये आया कि जिस भी राजनीतिक दल के व्यक्ति के पास रेलवे गई उसे रेलवे की चिंता कम रही; बाकी क्या रहा होगा मुझे कहने की जरूरत नहीं है।

इस सरकार ने रेलवे को प्राथमिकता दी है, रेलवे का विस्तार हो; रेलवे का विकास हो; रेलवे आधुनिक बने और रेलवे जन-सामान्य की जिंदगी में एक **qualitative change** के साथ मददगार कैसे बने? और अपने पिछले ढाई साल में रेलवे के कार्यकलाप को देखा होगा तो आपको ये ध्यान में आता होगा पहले की तुलना में बजट **double** कर दिया गया ये छोटी बात नहीं है। और रेलवे का उपयोग गरीब से गरीब को भी होता है इसलिए इतना बड़ा बजट रेलवे के लिए खर्च करने का तय किया। पहले अगर दिन में **doubling** का काम सालभर कुछ किलोमीटर होता था तो आज **doubling** का काम पहले से दो गुना, तीन गुना हो रहा है।

पहले रेलवे में **gaze conversion** का काम **Meter Gaze** से **Broad Gaze** बनाना, **Narrow Gaze** से **Broad Gaze** बनाना; ये काम आखिरी तबके में रहता था, उसको **priority** दी गई। पहले की तुलना में उसको अनेक गुना अधिक सफलता पाई। रेलवे डीजल इंजन से चले, कोयले से चले, **environment** के प्रश्न, डीजल से चले तो दुनिया भर से विदेश से डीजल **import** करना पड़े। **Environment** की भी रक्षा हो; विदेशी मुद्रा भी न जाए; डीजल से रेलवे को जल्दी से जल्दी **Electrification** की तरफ कैसे ले जाया जाए; बहुत बड़ी मात्रा में, तेज गति से आज रेल लाइनों का **Electrification** हो रहा है, रेल इंजन **Electric** इंजन बनाने का काम हो रहा है। आजाद हिन्दुस्तान में सबसे बड़ा **Foreign Direct Investment** रेलवे के क्षेत्र में आया है और दो बड़े **Loco Engineering Manufacture** के काम के लिए वो काम आने वाला है। भविष्य में वो पूरे रेलवे की गति बदलने वाले इंजन बनाने का काम होने वाला है।

इन सारी बातों के साथ-साथ सफाई से ले करके रेलवे में सुविधा उसको बल दिया गया, **Bio-Toilet**; वरना हम जानते हैं कि स्टेशन पर रेल की पटरियां गंदगी से भरी रहती हैं। बहुत तेजी से उस पर काम, बल दिया, बहुत बड़ा खर्चा है। लेकिन ये तत्काल न दिखे लेकिन लम्बे असें तक बड़ा लाभ करने वाला है।

स्वास्थ्य की दृष्टि से एक परिवर्तन का प्रयास, उस दिशा में बड़ा बल दिया है। रेल की गति कैसे बढ़े? वरना पहले से चल रहा है चलती थी, चलती थी; बैठे हैं उतर जा सकते हैं फिर दौड़ करके चढ़ जा सकते हैं; ये सब बदला जा सकता है। **Special Mission Mode** में काम चल रहा है कि **Exiting** जो व्यवस्थाएं हैं उसमें क्या सुधार करें ताकि रेल की गति बढ़ाई जाए। **Technology** में परिवर्तन ला रहे हैं, विश्व भर से **Technology** की दृष्टि से लोगों को जोड़ रहे हैं कि **safety** एक बहुत बड़ी चिन्ता का विषय है और चुनौती भी है।

विश्व में **Technological** परिवर्तन इतना हुआ है कि रेलवे को सुरक्षित बनाया जा सकता है। बहुत बड़ी मात्रा में बजट खर्च करके **compartment** हो तो उसको भी किस प्रकार से सुरक्षा दी जाए उसके लिए चिन्ता और व्यवस्थाएं आगे बढ़ रही हैं। **Freight Corridor**, रेल दुनिया में 70 प्रतिशत **cargo**, माल-सामान रेल से जाता है, 30 प्रतिशत रोड से जाता है। हमीं एक ऐसे देश हैं कि जहां 15-20% रेल से जाता है, 70-80% रोड से जाता है। और जब रोड से **Cargo** जाता है तो बहुत महंगा हो जाता है। अगर कोई सोचे कि गुजरात में पैदा होने वाला नमक जम्मू-कश्मीर तक जाए और **By Road** जाए तो वो इतना महंगा हो जाएगा कोई खरीद नहीं सकता। और इसलिए रेल के माध्यम से जितना ज्यादा **Cargo Transport** होगा, गरीब से गरीब व्यक्ति को सस्ता मिलेगा। और इसलिए **Cargo** को बढ़ाने की दिशा में काम चल रहा है।

मैंने रेलवे के लोगों को काम दिया था आते ही, मैंने कहा नमक जो रेलवे का **Container** होता है उसकी अपना **weight 16 टन** होता है और फिर उसमें मुश्किल से दो टन, तीन टन नमक आता है, मैंने कहा 16 टन का **Container 6 टन** का हो जाता है क्या? अगर वो 6 टन का हो जाए तो 12 टन नमक जाएगा और नमक जाएगा तो नमक जहां पहुंचेगा वहां मुफ्त में मिलना शुरू हो जाएगा और नमक पैदा करने वालों का नमक भी बहुत जल्दी पहुंच पाएगा। रेलवे ने **design** तैयार की है, नमक ले जाने के लिए कैसे **Container** हों ताकि **weight** कम हो। यानी एक-एक चीज को बारीकी से बदलाव करने की दिशा में रेलवे कार्यरत है।

और मुझे विश्वास है कि बहुत तेज गति से रेल बदल जाएगी। सामान्य मानवी को सुविधा तो बढ़ेगी, दूर-सुदूर इलाकों में रेलवे पहुंचेगी, भारत के बंदरों (बंदरगाहों) के साथ रेल जुड़ेगी, भारत की खदानों के साथ रेल जुड़ेगी, भारत के उपभोक्ता के साथ रेल जुड़ेगी लेकिन साथ-साथ आर्थिक दृष्टि से भी। रेलवे स्टेशन जो भी है, **Heart of the City** में हैं। वो जमीन इतनी **valuable** है लेकिन आसमान खाली पड़ा है। तो बड़ी समझदारी का विषय है कि भले ही नीचे रेल जाए अरे ऊपर एक दस मंजिला, 25 मंजिला चीजें बना दो, वहां पर **Mall** हो, **Theater** हो, **Hotel** हो, बाजार हो, रेल के ऊपर चलता रहेगा; नीचे रेल चलती जाएगी। जगह का **double** उपयोग होगा, रेल को **Income** बढ़ेगी, **Investment** करने वाले **Investment** करने आएंगे। गुजरात में हम लोगों ने सफल प्रयोग किया, **Bus station** का **Public private partnership Model** के आधार पर **development** किया। आज गरीब से गरीब बस अड्डे पर जाता है, उसको वही सुविधा मिलती है जो अमीर लोग **Airport** पर जाते हैं, वो गुजरात ने करके दिखाया है।

आने वाले दिनों में हिन्दुस्तान में हजारों रेलवे स्टेशन हैं, जिसका इस प्रकार का **Development** हो सकता है। आप सबको याद होगा जिस दिन ये महात्मा मन्दिर का शिलान्यास किया था, **Golden Jubilee Year** था गुजरात का, 2010 में; और पहली मई के दिन इसी जगह पर बोलते हुए मैंने कहा था कि महात्मा मन्दिर आज जो नींव डाली गई है और मैं साफ देख रहा हूं एक दिन ऐसा आएगा जब इसी महात्मा मन्दिर में विश्व के दिग्गज लोग बैठ करके विश्व शांति की चर्चा करते होंगे।

महात्मा गांधी के नाम से जुड़ा हुआ महात्मा मंदिर, लेकिन उस महात्मा मंदिर को तो हमने बना दिया इतना तेजी से बना दिया, अब उन व्यवस्थाओं की जरूरत है कि इस प्रकार के दुनिया के दिग्गज आ करके ठहरें, ये रेलवे स्टेशन पर जो होटल बन रहा है इसमें आने वाले लोग स्वाभाविक रूप से महात्मा मंदिर के **Convention Centre** का उपयोग करेंगे; रुकेंगे यहाँ **meeting** करेंगे वहां और **Helipad Ground** पर प्रदर्शनी होगी। यानी एक प्रकार से पूरा **Corridor**, रेलवे हो, महात्मा मंदिर हो, **Helipad** का इलाका हो, ये पूरा का पूरा एक पूरे हिन्दुस्तान की **business activity** का एक **magnetic centre** की संभावना मैं देख रहा हूं। और इसलिए रेलवे स्टेशन पर बन रहा **Infrastructure** रेलवे तो जा ही रही थी, जमीन पड़ी थी लेकिन उसका इसके साथ जोड़ करके उपयोग करना और जिसके कारण महात्मा मंदिर पर 365 दिन में 300 दिन तक **busy** रहे, ऐसी उसके साथ सीधी-सीधी संभावना बनी है। विश्व स्तर के कोई कार्यक्रम बनने हैं उसके लिए भी संभावना इसके साथ पैदा हो रही है और रेलवे के विकास का भी ये आधार बनती है।

ये हिन्दुस्तान का पहला प्रकल्प आज गांधीनगर शुरू हो रहा है। आने वाले दिनों में हिन्दुस्तान के और स्थान पर भी आगे बढ़ेगा। हमारे सुरेश प्रभु जी ने रेलवे स्टेशनों पर **Wi-Fi** की सुविधा दी है। **Digital India** का जो सपना है उसका पूरा करने की दिशा में काम हो रहा है। कुछ लोगों को ये हिन्दुस्तान के गरीब लोग हैं उनको क्या समझ और आपको हैरानी होगी भारत की रेलवे में 60-70 प्रतिशत लोग **Online Ticket Purchase** करते हैं, **Sixty-Seventy Percent** हुआ? **Online Ticket Purchase** करते हैं, ये हिन्दुस्तान की ताकत है।

सामान्य मानवी जो रेल जाता है वो भी आज **Online Railway** की **Ticket booking** करा रहा है और ले रहा है। **Wi-Fi** के कारण अनुभव है कि आज हिन्दुस्तान में और विश्व के सब लोगों का **analyze** है, **Google** के लोग आए तो वो चर्चा कर रहे थे, भारत के रेलवे स्टेशन पर **Wi-Fi** की जो **capacity** है वो शायद दुनिया में सबसे ज्यादा है, स्टेशन के इलाके में। और उसका परिणाम ये हुआ है कि बहुत सारे **Students** जो **Online** पढ़ाई करना पसंद करते हैं, चीजें **download** कर-करके **education** के लिए उपयोग करते हैं, वो कोशिश करते हैं कि रेलवे स्टेशन पर पहुंचा जाए और अपने **Computer**, **Laptop** पर बैठ करके वो मुफ्त का काम हो जाता है और उसको दुनिया की जो चीज चाहिए, उपलब्ध हो जाती है। यानी एक व्यवस्था कैसे बदलाव ला सकती है इसका उदाहरण ढाई साल के अंदर हिन्दुस्तान की रेलवे ने करके दिखाया है।

उसी के तहत आज गुजरात में पूरे देश के लिए उपयोगी ऐसा एक प्रकल्प हो रहा है जो आने वाले दिनों में हिन्दुस्तान के और शहरों में भी होगा और रेलवे को नई ऊंचाइयों पर ले जाना, रेलवे को सामान्य मानवी की सुविधा का एक माध्यम बनाना और रेलवे है जो देश को गति भी देती है, रेलवे है जो देश को प्रगति भी देती है। मुझे मैं गुजरात के लोगों को, गांधीनगर के लोगों को और आज **Vibrant Summit** की पूर्व संध्या पर ये नजराना देते हुए बहुत गर्व और संतोष का भाव अनुभव करता हूं।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

\*\*\*\*\*

AKT/AK/NS

